एम.ए. उत्तरार्द्ध – हिन्दी साहित्य – 2018–19

प्रथम प्रश्न–पत्र – गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे **उत्तीर्णांक – 36** **पूर्णांक – 100**

इकाई – 1

1. गोदान (प्रेमचन्द)

हिन्दी उपन्यास का उद्‌भव और विकास, शीर्षक की सार्थकता, गोदान में किसान जीवन, तत्कालीन भारतीय जीवन की समस्याएं, गोदान में गांव और शहर, महाकाव्यत्व, प्रमुख चरित्र, परम्परागत नायकत्व से विद्रोह, गोदान में यथार्थ और आदर्श, गोदान की भाषा, गोदान का शिल्प वैशिष्ट्य।

इकाई – 2

2. स्कन्दगुप्त (जयशंकर प्रसाद)

हिन्दी नाटक का उद्‌भव और विकास, हिन्दी नाटक और प्रसाद, स्कन्दगुप्त में इतिहास और कल्पना, राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चेतना, रंगमंचीयता, प्रमुख पात्र, नाट्य शिल्प, भाषा।

इकाई – 3

3. कथान्तर (सं. परमानन्द श्रीवास्तव, गिरीश रस्तोगी)

संकलित कहानियां –

1. उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
2. आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
3. कफन – प्रेमचन्द
4. पत्नी – जैनेन्द्र कुमार
5. गैंग्रीन – अज्ञेय
6. गदल – रांगेय राघव
7. लाल पान की बेगम – फणीश्वरनाथ रेणु
8. गुलकी बन्नो – धर्मवीर भारती
9. दोपहर का भोजन – अमरकान्त
10. सेब – रघुवीर सहाय
11. पहाड़ – निर्मल वर्मा
12. दिल्ली में एक मौत – कमलेश्वर

13. वापसी – उषा प्रियम्वदा

14. पाल गोमरा का स्कूटर – उदय प्रकाश

हिन्दी कहानी का उद्‌भव और विकास, प्रमुख कहानी आन्दोलन, प्रसाद स्कूल और प्रेमचन्द स्कूल, संकलित कहानीकारों का कहानी लेखन में स्थान, संकलित कहानियों की मूल संवेदना और उद्‌देश्य, संकलित कहानियों का तात्त्विक अध्ययन, संकलित कहानियों की कहानी कला।

इकाई – 4

4. चेतना का संस्कार (सं.विश्वनाथ तिवारी), वाणी प्रकाशन, दिल्ली

हिन्दी निबन्ध का उद्‌भव और विकास, संकलित निबन्धकारों का निबन्ध लेखन में स्थान, संकलित निबन्धों का मूल भाव और उद्‌देश्य, संकलित निबन्धों की भाषा–शैली।

संकलित निबन्ध –

1. होली है – प्रतापनारायण मिश्र
2. कवि कर्त्तव्य – महावीर प्रसाद द्विवेदी
3. बनाम लार्ड कर्जन – बालमुकुन्द गुप्त
4. श्रद्धा–भक्ति – रामचन्द्र शुक्ल
5. अशोक के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. चेतना का संसार – अज्ञेय
7. तुलसी साहित्य के सामन्त विरोधी मूल्य – डॉ. रामविलास वर्मा
8. साहित्य के दृष्टिकोण – गजानन माधव मुक्तिबोध
9. मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र
10. परम्परा और इतिहास बोध – निर्मल वर्मा
11. वन्दे वाणी विनायकौ – कुबेर नाथ राय

इकाई – 5

5. अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा

संस्मरण और रेखाचित्र का उद्‌भव और विकास, संस्मरण और रेखाचित्र में अन्तर, संस्मरण और रेखाचित्र लेखन में महादेवी वर्मा का स्थान, अतीत के चलचित्र में संकलित रचनाओं की संवेदना और शिल्प।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न–पत्र तीन खंडों क्रमशः अ, ब, और स में विभक्त होगा।
2. खंड अ में प्रत्येक इकाई से अधिकतम 2 प्रश्न रखते हुए सभी 5 इकाइयों से कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न अनिवार्यतः पूछे जाएंगे।
3. खंड ब में प्रत्येक इकाई से एक चुनते हुए व्याख्या संबंधी कुल 7 व्याख्या प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं 5 व्याख्याओं को अनिवार्य रूप से हल करना होगा।
4. खंड स में पांचों इकाइयों में से 4 आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को 2 प्रश्न अनिवार्य रूप से हल करने होंगे।
5. प्रश्न–पत्र वर्तमान में निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार हो।

विस्तृत अंक योजना –

खण्ड	कुल प्रश्न	अनिवार्य प्रश्न	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	शब्द सीमा	विवरण
अ	10	10	2	20	50	खंड अ में प्रत्येक इकाई से अधिकतम 2 प्रश्न रखते हुए सभी 5 इकाइयों से कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न अनिवार्यतः पूछे जाएंगे।
ब	7	5	8	40	200	5 इकाइयों में से 7 व्याख्या संबंधी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से 5 प्रश्न अनिवार्य रूप से विद्यार्थियों को हल करने होंगे।
स	4	2	20	40	500	5 इकाइयों में से 4 आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएं –जिनमें प्रत्येक इकाई से अधिकतम एक प्रश्न पूछा जाएं।

सहायक ग्रन्थ :–

1. हिन्दी कहानी : समीक्षा और सन्दर्भ – विवेकी राय
2. हिन्दी उपन्यास (नवीन संस्करण) – शिवनारायण श्रीवास्तव, वाराणसी
3. आज का हिन्दी उपन्यास – डॉ. इन्द्रनाथ मदान
4. हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियां –डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा – डॉ. रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. गोदान : अध्ययन की समस्याएं – गोपाल राय
7. हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन – डॉ. एस.एन. गणेशन
8. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
9. नाट्यकला – डॉ. रघुवंश, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली
10. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक – डॉ. जगदीशचन्द्र जोशी, आत्माराम एंडसंस, दिल्ली
11. कहानियों की शिल्पविधि का विकास – डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल, साहित्य भवन, प्रा. लि. इलाहाबाद
12. हिन्दी कहानी में स्वरूप और संवेदना – डॉ. साधना शाह
13. हिन्दी के प्रतिनिधि निबन्धकार – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, मंदिर, आगरा
14. हिन्दी निबन्ध का विकास – ओंकार नाथ शर्मा
15. निबन्ध : राधाकृष्ण मूल्यांकन माला – अभिव्यक्ति प्रकाशन
16. कहानी : नयी कहानी – डॉ. नामवर सिंह
17. हिन्दी कहानी : एक अंतरंग पहचान – रामदरश मिश्र
18. प्रेमचन्द कहानी कला–प्रसाद कहानी कला – राधाकृष्ण मूल्यांकन माला, अभिव्यक्ति प्रकाशन
19. जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला – रामेश्वर खण्डेलवाल
20. प्रसाद का नाट्यशिल्प – बनवारीलाल हांडा
21. प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास शर्मा